Research Inspiration
An International Multidisciplinary e-Journal
(Peer - reviewed, Open Accessed & Indexed)
Web: www.researchinspiration.com; Email: publish1257@gmail.com
ISSN: 2455-443X
Impact Factor: 6.331 (SJIF)
Vol.5, Issue-IV, Sep. 2020

कक्षा 12 की अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक का अन्तर्वस्तु विश्लेषण
(Content Analysis of Class 12 Economics Textbook)

*राजू पंसारी
**डॉ. अरूणा चौहान

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान की उच्च माध्यमिक स्तर की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक के अन्तर्वस्तु विश्लेषण से सम्बन्धित है। प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक का अन्तर्वस्तु विश्लेषण करना एवं कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक के प्रति अर्थशास्त्र अध्यापकों एवं कक्षा 12 में अध्ययनरत् अर्थशास्त्र विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना है। कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक के अन्तर्वस्तु विश्लेषण हेतु निम्न 6 आधारों पर विषयवस्तु विश्लेषण प्रपत्र निर्मित किये गये– 1–पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु का विवरण, 2–पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु की बोधगम्यता, 3–पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु सम्बन्धी उद्धरण, 4–पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु के मूल्यांकन के संदर्भ में, 5–पाठ्यपुस्तक के बाह्य स्वरूप के सन्दर्भ में तथा 6–पाठ्यपुस्तक का एन.सी.एफ. (NCF) 2005 के प्रावधानों के अनुरूप। प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु शोध उपकरण के रूप में कक्षा 12 अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक के प्रति अर्थशास्त्र अध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करने हेतु स्वनिर्मित साक्षात्कार अनुसूची तथा कक्षा 12 में अध्ययनरत् अर्थशास्त्र विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करने हेतु स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु अन्तर्वस्तु विश्लेषण एवं सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। प्रस्तुत शोध अध्ययन के आधार पर निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तकों में अन्तर्निहित कमियों के कारण पाठ्यपुस्तक में सुधार अपेक्षित है। ताकि अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक को पूर्णरूपेण प्रभावी गुणवत्ता युक्त एवं उपयोगी बनाया जा सके।

मुख्य पद : उच्च माध्यमिक स्तर, अर्थशास्त्र, पाठ्यपुस्तक, अन्तर्वस्तु विश्लेषण।

प्रस्तावना :–

शिक्षा संस्कृति के हस्तान्तरण संरक्षण एवं संवर्धन का प्रमुख माध्यम है। शिक्षा ही राष्ट्र की अमूल्य सम्पत्ति है जो किसी भी राष्ट्र की उत्कृष्टता, उच्चता तथा विकास को सुनिश्चित करने का एक अत्यन्त अपरिहार्य एवं सशक्त साधन है। शिक्षा किसी भी आधुनिक, सभ्य, उन्नत और विकसित कहे जाने वाले देश का अनिवार्य लक्षण है और शिक्षा के अभाव में प्रगति कभी पूर्ण और बहुआयामी नहीं हो सकती। एक शिक्षित व्यक्ति, शिक्षित समाज और शिक्षित राष्ट्र ही प्रगति के दुर्गम पथ पर अनवरत यात्रा कर पाने में समर्थ हो सकते है। शिक्षा राष्ट्रीय विकास की

* शोधार्थी, शिक्षा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
** शोध निर्देशिका, प्राचार्या, मीरा गर्ल्स (बी.एड.) कॉलेज, जयपुर

आधारशिला है। शिक्षा राष्ट्रीय विकास की गति तीव्र कर वर्तमान एवं भविष्य के लिए नवीन आयाम प्रदान करती है। शिक्षा वह प्रकाश है जो बालक के जीवन में समस्त अंधकार को दूर कर बालक के जीवन को प्रकाशित करती है। शिक्षा की प्रक्रिया को निश्चित, नियमित एवं उपयोगी बनाने के लिए सार्थक क्रियाओं की एक क्रमिक योजना प्रस्तुत की जाती है जिसे हम पाठ्यक्रम कहते है। एक आदर्श शिक्षा व्यवस्था में पाठ्यपुस्तक पाठ्यचर्या के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक है पाठ्यपुस्तकें वे पुस्तकें है जो किसी स्तर के विद्यार्थियों की पाठ्यचर्यानुसार तैयार की जाती है। इनमें से तथ्य एवं सूचनाएँ निहित होती है जिनका ज्ञान उस स्तर के विद्यार्थियों को हम देना चाहते है।

पाठ्यपुस्तक शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया का एक अनिवार्य अंग है पाठ्यपुस्तक ज्ञान के संचय एवं संचार करने का सशक्त माध्यम होने के साथ ही ज्ञान के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। विद्यार्थियों के लिए पाठ्यपुस्तक क्रमबद्ध अध्ययन, सुव्यवस्थित, पुष्टिकरण, समीक्षा और आगामी अध्ययन का आधार होती है। पाठ्यपुस्तक न केवल विद्यार्थियों के लिए पथ–प्रदर्शक है बल्कि अध्यापकों को शिक्षण कार्य एवं परीक्षक को परीक्षा प्रश्न–पत्र निर्माण में भी सहायक होती है। अतः आवश्यकता है पाठ्यपुस्तक का निर्माण विद्यार्थी के वर्तमान एवं भावी जीवन में उपयोगिता को ध्यान में रखकर किया जाए तथा पाठ्यपुस्तक को उत्तम एवं उद्देश्यपूर्ण बनाने के लिए पाठ्यपुस्तक के क्षेत्र में अनुसंधान को अधिक से अधिक प्रोत्साहन दिया जाए।

शोध अध्ययन का औचित्यः–

वर्तमान युग आर्थिक युग है और अर्थशास्त्र विषय का ज्ञान वर्तमान युग की मांग है। उच्च माध्यमिक स्तर पर वैकल्पिक विषय के के रूप में अर्थशास्त्र विषय का चयन करने वाले विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र सम्बन्धी ज्ञान प्रभावी ढंग से प्रदान करने में उच्च माध्यमिक स्तर यह प्रचलित अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तकें अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निवर्हन करती है। लेकिन ध्यान देने योग्य बात यह है कि क्या उच्च माध्यमिक स्तर की कक्षा 12 की अर्थशास्त्र विषय की पाठ्यपुस्तक एनसीएफएसई (NCFSE) 2000 में वर्णित उच्च माध्यमिक स्तर के अर्थशास्त्र शिक्षण के उद्देश्यों की पूर्ति में सक्षम है क्या यह पाठ्यपुस्तक एनसीएफ (NCF) 2005 के प्रावधानों में अनुरूप है, क्या यह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को देश की आर्थिक समस्याओं एवं आर्थिक मुद्दों के प्रति समझ उत्पन्न कर रही है? क्या यह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों में अर्थशास्त्र सम्बन्धी सिद्धान्तों व अवधारणाओं को सरलतम ढंग से समझा पा रहीं है? क्या यह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों के आर्थिक जीवन से सम्बन्धित व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने में सहायक है? क्या इन पाठ्यपुस्तको का विषयवस्तु संगठन, संयोजन एवं प्रस्तुतीकरण शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बोधगम्य सरल एवं रोचक बनाने में समर्थ है? क्या यह पाठ्यपुस्तक में विद्यार्थियों के मूल्यांकन हेतु क्रियात्मक गतिविधियाँ एवं प्रायोगिक कार्यों का समावेश किया गया है? इन सब प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने की जिज्ञासा शोधार्थी के मन में उत्पन्न हुई है। अतः शोधकर्त्री कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक के अर्न्तवस्तु विश्लेषण का शोध समस्या के रूप में चयन किया।

समस्या अभिकथन :–

कक्षा 12 की अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक का अन्तर्वस्तु विश्लेषण

शोध के उद्देश्य

- कक्षा 12 की अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक का अन्तर्वस्तु विश्लेषण करना।
- कक्षा 12 की अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक के प्रति अर्थशास्त्र अध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना।
- कक्षा 12 की अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक के प्रति कक्षा 12 में अध्ययनरत् अर्थशास्त्र विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना।

तकनीकी शब्दावली

- **उच्च माध्यमिक स्तर** – 1986 में शिक्षा का एक नया ढांचा तैयार किया गया जिसे 10+2+3 शिक्षा प्रणाली कहते है। 10+2+3 प्रणाली में कक्षा 1 से 5 तक की शिक्षा को प्राथमिक स्तर, कक्षा 6 से 8 तक की शिक्षा को उच्च प्राथमिक या पूर्व माध्यमिक स्तर, कक्षा 9–10 तक की शिक्षा को माध्यमिक स्तर और कक्षा 11–12 की शिक्षा को उच्च माध्यमिक या वरिष्ठ माध्यमिक स्तर माना गया है।
- **अर्थशास्त्र** – मानवीय आवश्यकताएँ ही आर्थिक क्रियाओं की जननी है। इन मानवीय आवश्यकताओं से प्रेरित होकर ही मनुष्य विभिन्न आर्थिक क्रियाएँ करता है। आर्थिक क्रियाओं को उपभोग उत्पादन, विनिमय, वितरण तथा राजस्व के अन्तर्गत विभक्त किया जाता है। अर्थशास्त्र वह शास्त्र है जो आर्थिक–क्रियाओं का अध्ययन करता है।
- **पाठ्यपुस्तक** – पाठ्यपुस्तक अध्ययन की निश्चित विषयवस्तु से संबंधित पुस्तक है, जो क्रमबद्ध ढ़ंग से व्यवस्थित शिक्षण के विशिष्ट स्तर पर प्रयोग के लिए उदि्दष्ट एवं प्रदत्त पाठ्यक्रम के लिए अध्ययन की सामग्री के मुख्य स्त्रोत के रूप में प्रयोग की जाती है।
- **अन्तर्वस्तु विश्लेषण** – अन्तर्वस्तु विश्लेषण, संचार की अभिव्यक्ति, अन्तर्वस्तु के वस्तुनिष्ठ, व्यवस्थित व मात्रात्मक वर्णन की अनुसंधान तकनीक है।

शोध विधि –

- शोधकर्त्री द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य हेतु अन्तर्वस्तु विश्लेषण विधि एवं सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध समग्र

- माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान की कक्षा 12 की अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक।
- जयपुर जिले के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान के कक्षा 12 के अर्थशास्त्र अध्यापक।
- जयपुर जिले के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान के कक्षा 12 में अध्ययनरत् अर्थशास्त्र के विद्यार्थी।

शोध न्यादर्श

- माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान की कक्षा 12 की अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक।

- माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान की कक्षा 12 के 50 अर्थशास्त्र अध्यापक।
- माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान की कक्षा 12 में अध्ययनरत् 100 अर्थशास्त्र विद्यार्थी।

शोध न्यादर्श विधि :–

- प्रस्तुत शोधकार्य हेतु शोधकर्त्री द्वारा कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक का चयन सौद्देश्य न्यादर्श विधि से किया गया है।
- प्रस्तुत शोधकार्य हेतु शोधकर्त्री द्वारा जयपुर जिले के कक्षा 12 के अर्थशास्त्र अध्यापकों का चयन सौद्देश्य न्यादर्श विधि से किया गया है।
- प्रस्तुत शोधकार्य हेतु शोधकर्त्री द्वारा जयपुर जिले के कक्षा 12 में अध्ययनरत् अर्थशास्त्र विद्यार्थियों का चयन साधारण यादृच्छिक न्यादर्श विधि से किया गया है।

शोध उपरकण :–

- प्रस्तुत शोध में कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक के अर्न्तवस्तु विश्लेषण हेतु विषयवस्तु विश्लेषण–प्रपत्र को शोध उपकरण के रूप में प्रयुक्त किया गया है।
- प्रस्तुत शोध में शोधकर्त्री द्वारा कक्षा 12 के अर्थशास्त्र अध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करने हेतु स्वनिर्मित साक्षात्कार अनुसूची को शोध उपकरण के रूप में प्रयुक्त किया गया है।
- प्रस्तुत शोध में शोधकर्त्री द्वारा कक्षा 12 में अध्ययनरत् अर्थशास्त्र विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करने हेतु स्वनिर्मित प्रश्नावली को शोध उपकरण के रूप में प्रयुक्त किया गया है।

शोध सांख्यिकी :–

प्रस्तुत शोध में शोधकर्त्री द्वारा संकलित प्रदत्तों का प्रतिशतवार विश्लेषण किया गया।

शोध सीमांकन :–

- माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान की उच्च माध्यमिक स्तर की कक्षा 12 अर्थशास्त्र विषय की पाठ्यपुस्तक का ही अर्न्तवस्तु विश्लेषण किया गया।
- जयपुर जिले के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान के विद्यालयों के कक्षा 12 के अर्थशास्त्र अध्यापक का ही न्यादर्श के रूप में चयन किया गया है।
- जयपुर जिले के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान के विद्यालयों में कक्षा 12 में अध्ययनरत् अर्थशास्त्र विद्यार्थियों का ही न्यादर्श के रूप में चयन किया गया है।

शोध अध्ययन के परिणाम एवं व्याख्या –

कक्षा 12 की अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक का अन्तर्वस्तु विश्लेषण

कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र में विषयवस्तु का विवरण

पाठ्यपुस्तक	अवधारणाओं की संख्या	विषयवस्तु की पर्याप्तता		विषयवस्तु का अतिरिक्त भार		विषयवस्तु पूर्व ज्ञान पर आधारित	
		हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं
कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक (खण्ड प्रथम)	18	92.30%	07.70%	0%	100%	92.30%	07.70%
कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक (खण्ड द्वितीय)	25	91.67%	08.33%	0%	100%	83.33%	16.67%

कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र में विषयवस्तु की बोधगम्यता

पाठ्यपुस्तक	विषयवस्तु सयोंजन की भाषा सरल एवं स्पष्ट		अर्थशास्त्र की अवधारणाओं एवं सिद्धान्तों की समझ		विद्यार्थियों के उच्च चिन्तन कौशल विकास के अनुकूल		दैनिक जीवन के सन्दर्भों से जुड़ाव	
	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं
कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक (खण्ड प्रथम)	84.62%	15.38%	100%	0%	100%	0%	92.30%	07.70%
कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक (खण्ड द्वितीय)	66.67%	33.33%	100%	0%	100%	0%	66.67%	33.33%

कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र में विषयवस्तु से सम्बन्धित उद्दरण (चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र, तालिका, सुत्र, समीकरण, उदाहरण इत्यादि)

पाठ्यपुस्तक	उद्धरण विषयवस्तु के सरलतम स्पष्टीकरण में सहायक		उद्धरण अनुपात सन्तुलित		मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों के अनुकूल		नवीनतम तथ्यों एवं आंकड़ों का समावेश	
	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं
कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक (खण्ड प्रथम)	100%	0%	100%	0%	76.92%	23.08%	0%	100%
कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक (खण्ड द्वितीय)	91.67%	08.33%	83.33%	16.67%	75%	25%	16.67%	83.33%

कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र में विषयवस्तु के मूल्यांकन के संदर्भ में

पाठ्यपुस्तक	प्रश्नों की संख्या पर्याप्तता		अर्थशास्त्र शिक्षण के उद्देश्य की पूर्ति में सहायक		क्रियात्मक, गतिविधियों एवं प्रायोगिक कार्यो का समावेश		व्यवहारिक जीवन से संबंधित प्रश्नों का समावेश	
	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं
कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक (खण्ड प्रथम)	100%	0%	100%	0%	0%	100%	0%	100%
कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक (खण्ड द्वितीय)	100%	0%	100%	0%	0%	100%	0%	100%

कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र के बाह्य स्वरूप के संदर्भ में

पाठ्यपुस्तक	पाठ्यपुस्तक का मुख पृष्ठ उपयुक्त		विषयवस्तु इकाई एवं अंक भारत के अनुसार वर्गीकृत		पाठ्यपुस्तक का मुद्रण कार्य एवं जिल्द सुदृढ़ता उपयुक्त		संदर्भ ग्रन्थ सूची संलग्न		शब्दावली	
	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं
कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक	0%	100%	100%	0%	0%	100%	0%	100%	100%	0%

कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र के एन.सी.एफ. (NCF) 2005 के प्रावधानों के अनुरूप

पाठ्यपुस्तक	पाठ्यपुस्तक की सहायक पुस्तिकाएँ		बाल केन्द्रित तरीकों से शिक्षा के अवसर		व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने में उपयोगी		आर्थिक मूल्यों एवं आर्थिक नागरिकता के गुणों के विकास		आर्थिक चुनौतियों एवं आर्थिक मुद्दों के प्रति समझ	
	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं
कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक	0%	100%	0%	100%	0%	100%	100%	0%	100%	0%

कक्षा 12 की अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक का अन्तर्वस्तु विश्लेषण

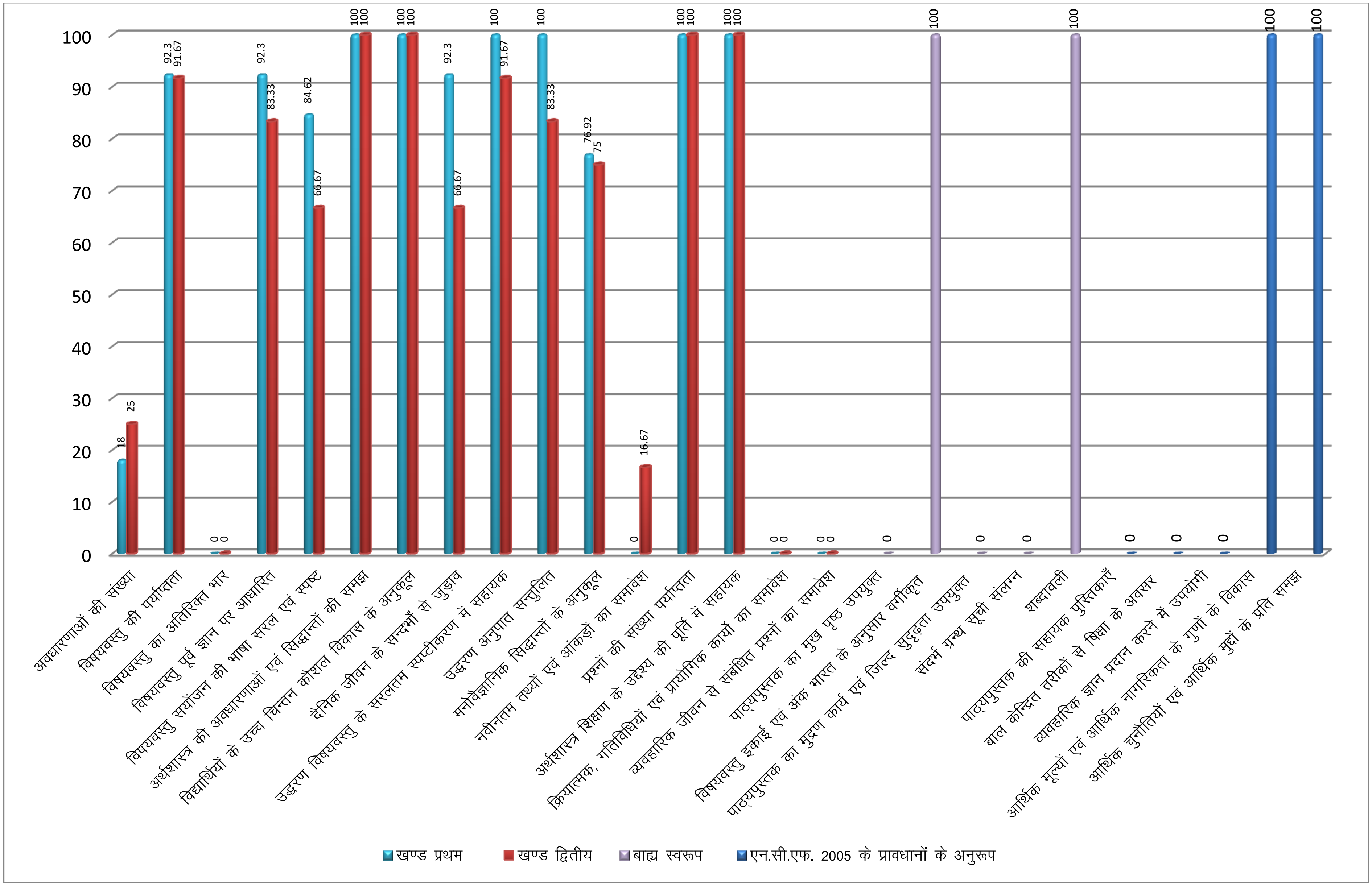

उपरोक्त सारणी एवं ग्राफ के माध्यम से कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक खण्ड प्रथम एवं खण्ड द्वितीय के अर्न्तवस्तु विश्लेषण के आधार पर निष्कर्ष रूप से प्राप्त होता है कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु पर्याप्त है, पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु विद्यार्थियों पर अतिरिक्त भार नहीं, तथा पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु पूर्व ज्ञान पर आधारित है, पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु संयोजन की भाषा अधिकांशतः सरल एवं स्पष्ट है, पाठ्यपुस्तक में वर्णित विषयवस्तु विद्यार्थियों में अर्थशास्त्र सम्बन्धी अवधारणाओं एवं सिद्धान्तों की समझ उत्पन्न करने मे सक्षम है, पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु विद्यार्थियों में उच्च चिन्तन के कौशल विकास के अनुकूल है तथा अधिकांश विषयवस्तु का दैनिक जीवन से जुड़ाव है।

पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु से सम्बन्धित उद्दरण विषयवस्तु के सरलतम स्पष्टीकरण में सहायक है। पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु से सम्बन्धित उद्दरणों का अनुपात सन्तुलित है तथा पाठ्यपुस्तक में समावेशित विषयवस्तु से सम्बन्धित उद्दरण मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों के अनुकूल है। लेकिन पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु सम्बन्धित उद्धरणों में नवीनतम तथ्यों एवं आंकडों का समावेश पाठ्यपुस्तक (खण्ड प्रथम) एवं (खण्ड द्वितीय) दोनों में नहीं किया गया है, विशेष कर (खण्ड द्वितीय) में महत्वपूर्ण एवं उपयोगी विषयवस्तु को भी नवीनतम आंकड़ों एवं तथ्यों के साथ प्रस्तुत नहीं किया गया है। जिसके कारण विद्यार्थी अर्थशास्त्र सम्बन्धित नवीनतम तथ्यों एवं आंकडो से अवगत नहीं हो पा रहे तथा देश की वर्तमान वास्तविक आर्थिक स्थिति से सम्बन्धित ज्ञान से वंचित है।

पाठ्यपुस्तक में विद्यार्थियों के मूल्यांकन हेतु अभ्यास प्रश्नों की संख्या पर्याप्त है। तथा अभ्यासार्थ प्रश्न अर्थशास्त्र शिक्षण के ज्ञान अवबोध एवं ज्ञानोपयोग शिक्षण उद्देश्यों की पूर्ण रूपेण प्राप्ति में सहायक है लेकिन शिक्षण उद्देश्य कौशल अभिरूचि एवं अभिवृत्ति की प्राप्ति में आंशिक रूप से ही सहायक है। पाठ्यपुस्तक में क्रियात्मक गतिविधियों एवं प्रायोगिक कार्यों का समावेश नहीं किया गया है। जिसके कारण पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को बालकेन्द्रित तरीके से शिक्षा के अवसर एवं प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करने में सहायक नहीं हैं। पाठ्यपुस्तक के अभ्यासार्थ प्रश्नों में विद्यार्थियों में व्यवहारिक जीवन सम्बन्धित प्रश्नों को समावेश नहीं हुआ है। जिसके कारण यह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों में अर्थशास्त्र सम्बन्धित व्यवहारिक ज्ञान को बढ़ाने में सहायक नहीं है।

कक्षा 12 अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक का मुख पृष्ठ उपयुक्त नहीं है क्योंकि वह पाठ्यपुस्तक में वर्णित विषयवस्तु का उपयुक्त प्रतिनिधित्व नहीं करता है, पाठ्यपुस्तक में जिल्द की सुदृढ़ता, मुद्रण कार्य एवं कागज की गुणवत्ता उपयुक्त नहीं है। पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु को इकाई एवं अंकभार के अनुसार उपयुक्त ढंग से वर्गीकृत किया गया

है तथा पाठ्यपुस्तक में संदर्भ ग्रन्थ सूची उपयुक्त ढंग से निर्मित नहीं की गई है। लेकिन पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु से सम्बन्धित कठिन शब्दों हेतु शब्दावली संलग्न की गई है।

कक्षा 12 अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक की सहायक पुस्तिकाएँ अर्थशास्त्र शिक्षकों के मार्गदर्शन हेतु उपलब्ध नहीं है। पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु बालकेन्द्रित तरीकों से शिक्षण करवाने के अवसर प्रदान करने में सहायक नहीं है और पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र सम्बन्धी व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से उपयोगी नहीं है। लेकिन पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों में आर्थिक मूल्य एवं आर्थिक नागरिकता के गुणों का विकास करने में सक्षम है और पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु विद्यार्थियों में राष्ट्र के समक्ष उपस्थित आर्थिक चुनौतियाँ, आर्थिक समस्याओं एवं आर्थिक मुद्दों के प्रति समझ उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन कर रहीं है।

कक्षा 12 के अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक के प्रति अर्थशास्त्र अध्यापकों का प्रत्यक्षीकरण

अन्तर्वस्तु विश्लेषण के आधार → / कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक	विषयवस्तु की पर्याप्तता	विषयवस्तु का अतिरिक्त भार	विषयवस्तु पूर्व ज्ञान पर आधारित	विषयवस्तु सयोजन की भाषा सरल एवं स्पष्ट	अर्थशास्त्र की अवधारणों एवं सिद्धान्तों की समझ	विद्यार्थियों के उच्च चिन्तन कौशल विकास के अनुकूल	दैनिक जीवन के सन्दर्भों से जुड़ाव	उद्धरण विषयवस्तु के सरलतम स्पष्टीकरण में सहायक	उद्धरण अनुपात सन्तुलित	मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों के अनुकूल	नवीनतम तथ्यों एवं आंकड़ों का समावेश	प्रश्नों की संख्या की पर्याप्तता	अर्थशास्त्र शिक्षण के उद्देश्य की पूर्ति में सहायक	क्रियात्मक, गतिविधियों एवं प्रायोगिक कार्यो का समावेश	व्यवहारिक जीवन से संबंधित प्रश्नों का समावेश
हाँ	77.56%	14.44%	78.22%	85.78%	87.33%	84.44%	86.89%	88%	85.56%	83.56%	31.78%	86.44%	74.22%	32.44 %	30.22%
नहीं	22.44%	85.56%	21.78%	14.22%	12.67%	15.56%	13.11%	12%	14.44%	16.44%	68.22%	13.56%	25.78%	67.56 %	69.78%

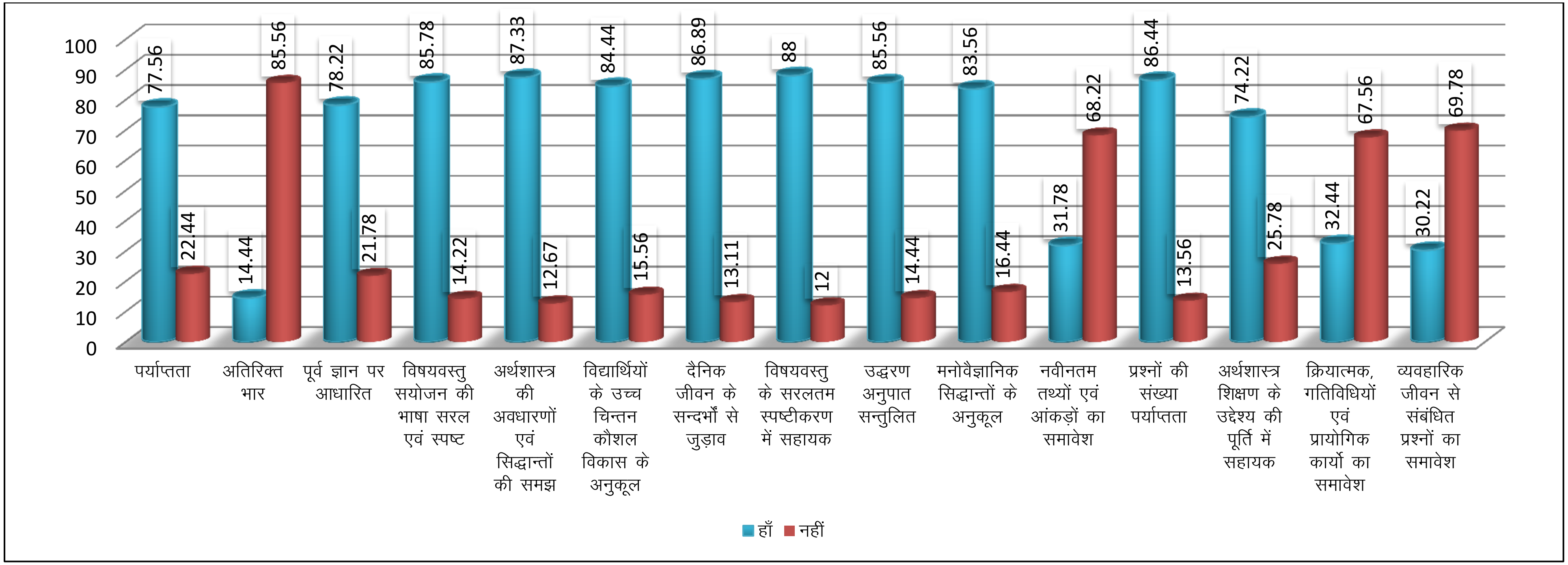

Continue…..

कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक के प्रति अर्थशास्त्र अध्यापकों का प्रत्यक्षीकरण

अन्तर्वस्तु विश्लेषण के आधार → / कक्षा 11 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक↓	पाठ्यपुस्तक का मुख्यपृष्ठ उपयुक्त	विषयवस्तु इकाई एवं अंकभार के अनुसार वर्गीकृत	पाठ्यपुस्तक मुद्रण कार्य एवं जिल्द सुदृढ़ता उपर्युक्त	संदर्भ ग्रन्थ सूची संलग्न	शब्दावली	पाठ्यपुस्तक की सहायक पुस्तिकाएँ	बालकेन्द्रित तरीकों से शिक्षा के अवसर	व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने मे उपयोगी	आर्थिक मूल्यों एवं आर्थिक नागरिकता के गुणों के विकास में सहायक	आर्थिक चुनौतियों एवं आर्थिक मुद्दो के प्रति समझ
हाँ	4	100	22	0	100	5	24	26	80	82
नहीं	96	0	78	100	0	95	76	74	20	18

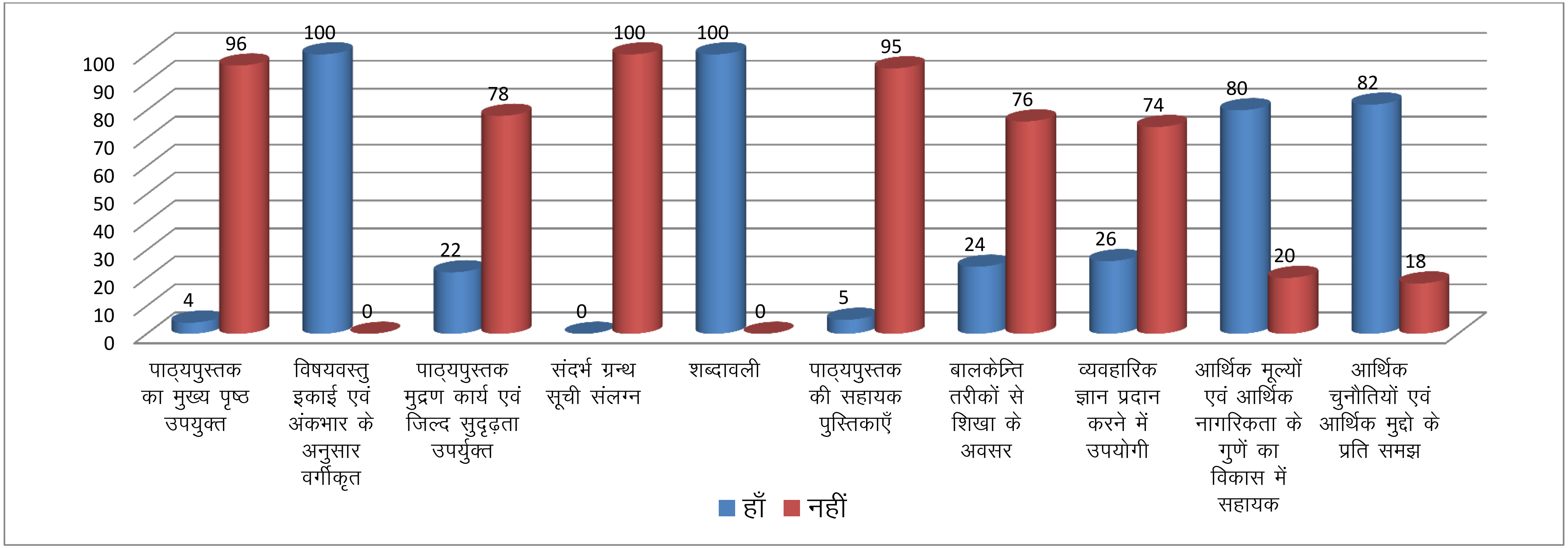

उपरोक्त सारणी एवं ग्राफ के माध्यम से कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक के प्रति अर्थशास्त्र अध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण के अध्ययन के आधार पर निष्कर्ष रूप से प्राप्त हुआ है कि अर्थशास्त्र अध्यापकों ने कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु को पर्याप्त बताया पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु को विद्यार्थियों पर अतिरिक्त भार नहीं माना तथा पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु को पूर्व ज्ञान पर आधारित बताया। अधिकांश अध्यापकों का मानना है कि पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु संयोजन की भाषा सरल एवं स्पष्ट है, पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु विद्यार्थियों में अर्थशास्त्र सम्बन्धी अवधारणाओं एवं सिद्धान्तों की समझ उत्पन्न करने में सक्षम है, पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु विद्यार्थियों में उच्च चिन्तन कौशल विकास के अनुकूल है, तथा पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु का दैनिक जीवन से जुड़ाव है।

अधिकांश अध्यापकों का मानना है कि पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु से सम्बन्धित उद्धरणं विषयवस्तु के सरलतम स्पष्टीकरण में सहायक है तथा पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु से सम्बन्धित उद्दरणों का अनुपात सन्तुलित एवं मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों के अनुकूल है लेकिन अधिकांश अध्यापकों ने पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु से सम्बन्धित उद्दरणों में नवीनतम तथ्यों एवं आंकडो के समावेश अभाव बताया। विशेषकर कुछ इकाईयों में महत्वपूर्ण एवं उपयोगी विषयवस्तु को भी नवीनतम तथ्यों एवं आंकडों के साथ प्रस्तुत नहीं किया गया है जिस कारण विद्यार्थी देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति से सम्बन्धित ज्ञान से वंचित है।

अध्यापकों का मानना है कि पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु के मूल्यांकन हेतु सम्मिलित अभ्यास प्रश्नों की संख्या पर्याप्त है तथा अभ्यास प्रश्न विद्यार्थियों में अर्थशास्त्र शिक्षण के ज्ञान अवबोध एवं ज्ञानोपयोग शिक्षण उद्देश्यों की पूर्ण रूपेण प्राप्ति में हो पा रहीं है। लेकिन अभ्यास प्रश्न विद्यार्थियों में शिक्षण उद्देश्य कौशल, अभिरूचि एवं अभिवृत्ति की प्राप्ति में आंशिक रूप से ही सहायक है। अधिकांश अध्यापकों ने बताया कि पाठ्यपुस्तक में क्रियात्मक गतिविधियों, प्रायोगिक कार्यों तथा पाठ्यपुस्तक के अभ्यासार्थ प्रश्नों में व्यवहारिक जीवन से सम्बन्धित प्रश्नों का अभाव है। जिसके कारण विद्यार्थी अर्थशास्त्र सम्बन्धित व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त नहीं कर पा रहे है।

कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक के बाह्य स्वरूप के संदर्भ में अध्यापकों का मानना है कि कक्षा 12 अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक का मुख पृष्ठ उपयुक्त नहीं है, क्योंकि वह पाठ्यपुस्तक में वर्णित विषयवस्तु का उपयुक्त प्रतिनिधित्व नहीं करता है, पाठ्यपुस्तक में जिल्द की सुदृढ़ता, मुद्रण कार्य एवं कागज की गुणवत्ता उपयुक्त नही है। पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु को इकाई एवं अंकभार के अनुसार उपयुक्त ढंग से वर्गीकृत किया गया है पाठ्यपुस्तक में संदर्भ ग्रन्थ सूची निर्मित नहीं की गई है। लेकिन पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु से सम्बन्धित कठिन शब्दों हेतु शब्दावली संलग्न की गई है।

कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक का एनसीएफ (NCF) 2005 के प्रावधानों के अनुरूप के सन्दर्भ में अध्यापकों का मानना है कि कक्षा 12 अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक की सहायक पुस्तिकाएँ अर्थशास्त्र शिक्षकों के मार्गदर्शन हेतु उपलब्ध नहीं है। पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु बालकेन्द्रित तरीकों से शिक्षण करवाने के अवसर प्रदान करने में सहायक नहीं है और पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र सम्बन्धी व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से उपयोगी नहीं है। लेकिन पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों में आर्थिक मूल्य एवं आर्थिक नागरिकता के गुणों का विकास करने

में सक्षम है और पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु विद्यार्थियों में राष्ट्र के समक्ष उपस्थित आर्थिक चुनौतियाँ, आर्थिक समस्याओं एवं आर्थिक मुद्दों के प्रति समझ उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन कर रहीं है।

कक्षा 12 की अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक के प्रति कक्षा 12 में अध्ययनरत अर्थशास्त्र विद्यार्थियों का प्रत्यक्षीकरण

अन्तर्वस्तु विश्लेषण के आधार	पर्याप्तता	सरलता	स्पष्टता	उपयुक्तता	क्रमबद्धता	बोधगम्यता	उपयोगिता	प्रभावशीलता
हाँ	78.76%	78.33%	79.11%	75.57%	84.33%	78.40%	83.50%	82.63%
नहीं	21.24%	21.67%	20.89%	24.43%	15.67%	21.60%	16.50%	17.37%

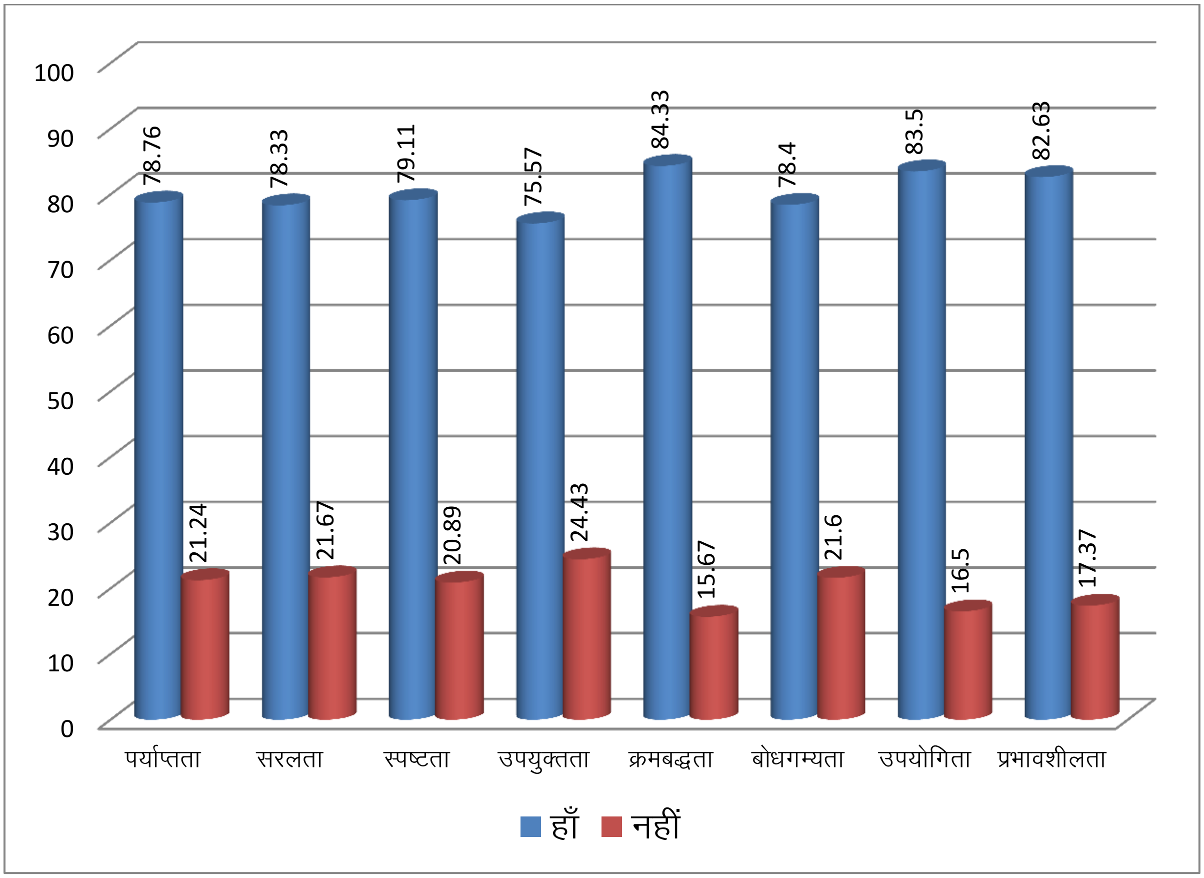

उपरोक्त सारणी एवं ग्राफ के माध्यम से निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक कक्षा 12 में अध्ययनरत अधिकांश अर्थशास्त्र विद्यार्थियों के अनुसार पर्याप्तता, सरलता, स्पष्टता, उपयुक्तता, क्रमबद्धता बोधगम्यता, उपयोगिता प्रभावशीलता आदि सभी आधारों पर उपयुक्त है लेकिन कुछ अर्थशास्त्र विद्यार्थियों ने पाठ्यपुस्तक में अन्तनिर्हित कमियाँ जैसे पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु सम्बन्धित उद्धरणों में नवीन तथ्यों एवं आंकड़ो का अभाव, पाठ्यपुस्तक में क्रियात्मक गतिविधियों एवं प्रायोगिक कार्यों का अभाव, पाठ्यपुस्तक में व्यवहारिक जीवन से सम्बन्धित प्रश्नों का अभाव, पाठ्यपुस्तक के मुख पृष्ठ का उपयुक्त न होना, कुछ अध्यायों की भाषा में कठिनता, पाठ्यपुस्तकों में प्रभावी एवं सरलतम उदाहरणों का अभाव, आदि के कारण पाठ्यपुस्तक में सुधार अपेक्षित बताया।

शोध अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन के आधार पर निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तकों में अन्तर्निहित कमियाँ जैसे पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु सम्बन्धित उद्धरणों में नवीन तथ्यों एवं आंकड़ो का अभाव, पाठ्यपुस्तक में क्रियात्मक गतिविधियों एवं प्रायोगिक कार्यों का अभाव, पाठ्यपुस्तक में व्यवहारिक जीवन से सम्बन्धित प्रश्नों का अभाव, पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्नों के माध्यम से कौशल अभिरूचि अभिवृत्ति शिक्षण उद्देश्यों की प्राप्ति आंशिक पूति, पाठ्यपुस्तके मुख पृष्ठ का उपयुक्त न होना, कुछ अध्यायों की भाषा में कठिनता, पाठ्यपुस्तक में प्रभावी एवं सरलतम उदाहरणों का अभाव आदि के कारण पाठ्यपुस्तक में सुधार अपेक्षित है। शोधकर्त्री द्वारा पाठ्यपुस्तक में अन्तर्निहित कमियों में सुधार हेतु सम्मिलित सुझाव (अर्थशास्त्र अध्यापकों और अर्थशास्त्र विद्यार्थियों तथा स्वयं शोधकर्त्री द्वारा दिए गए सुझाव) शोध अध्ययन में प्रस्तुत कर उच्च माध्यमिक स्तर की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति से पाठ्यपुस्तक में अपेक्षित सुधार हेतु तथा पाठ्यपुस्तक में वर्तमान व भावी परिस्थितियों में उपयोगी एवं अतिआवश्यक कुछ नए प्रकरणों को जोडने का निवेदन किया है ताकि अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक को पूर्णरूपेण प्रभावी गुणवत्ता युक्त एवं उपयोगी बनाया जा सके।

शैक्षिक निहितार्थ :–

यदि अनुसंधान को किसी भी क्षेत्र में कोई उपयोगिता न हो तो ऐसे अनुसंधान पर समय एवं धन बर्बाद करना व्यर्थ हो जाता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक का अन्तर्वस्तु विश्लेषण की उपयोगिता पाठ्यपुस्तक की कमियों में सुधार कर पाठ्यपुस्तक को परिशोधित, परिमार्जित एवं परिवर्धित करना है। प्रस्तुत शोध अध्ययन अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम नियोजनकर्ता, अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक निर्माता अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक लेखक, अर्थशास्त्र अध्यापकों, अर्थशास्त्र विद्यार्थियों एवं भावी शोधकर्ता के लिए बहुउपयोगी एवं महत्वपूर्ण है –

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन पाठ्यक्रम नियोजनकर्ता को पाठ्यक्रम में किन नए प्रकरणों को सम्मिलित करना है तथा किन पुराने प्रकरणों की पाठ्यक्रम में आवश्यकता नहीं है का ज्ञान करवाएगा।
2. प्रस्तुत शोध अध्ययन अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक निर्माता को नई पाठ्यपुस्तक के निर्माण में निर्देशन एवं मार्गदर्शन प्रदान करेगा।
3. प्रस्तुत शोध अध्ययन में उल्लेखित विषय वस्तु से संबंधित कमियों में अर्थशास्त्र पाठ्य पुस्तक लेखक नई पाठ्यपुस्तक लेखन के समय सुधार कर सकेंगे।
4. प्रस्तुत शोध अध्ययन के माध्यम से दिए गए सुझावों से पाठ्यपुस्तक की कमियों में सुधार कर उपयुक्त गुणवत्ता युक्त एवं उपयोगी पाठ्य पुस्तक अर्थशास्त्र अध्यापकों को अध्यापन कार्य में मार्गदर्शन हेतु प्राप्त हो सकेगी तथा भावी अर्थशास्त्र विद्यार्थियों को सरल स्पष्ट उपयुक्त बोधगम्य प्रभावी एवं उपयोगी विषय वस्तु से युक्त पाठ्य पुस्तक प्रभावी अधिगम हेतु प्राप्त होगी।
5. भावी शोधकर्ता जो पाठ्यपुस्तक की अंतर्वस्तु विश्लेषण से संबंधित शोध कार्य करते हैं उन्हें प्रस्तुत शोध अध्ययन के माध्यम से पाठ्य पुस्तक का अंतर्वस्तु विश्लेषण कैसे करना है इस हेतु कौनसी शोध विधि एवं शोध उपकरण उपयुक्त है इसका ज्ञान आसानी से हो जाएगा।

भावी शोध हेतु सुझाव :–

शोधकर्ता, वैसे तो स्वयं ही जिज्ञासु व खुली दृष्टि वाला होता है किन्तु उसे प्रकाश की कोई किरण और मिल जाए तो कहना ही क्या? इसी दृष्टि से शोधकर्त्री नें शोध–जिज्ञासुओं के लिए कुछ सुझाव प्रस्तुत किये है–

1. प्रस्तुत शोध उच्च माध्यमिक स्तर की अन्य विषयों की पाठ्यपुस्तकों एवं विद्यालय के विभिन्न स्तरों यथा प्राथमिक स्तर, उच्च प्राथमिक स्तर, एवं माध्यमिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों के अन्तर्वस्तु विश्लेषण पर भी किया जा सकता है।
2. प्रस्तुत शोध केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की पाठ्यपुस्तकों एवं दूरस्थ शिक्षा की पाठ्यसामग्री के अन्तर्वस्तु विश्लेषण पर भी किया जा सकता है।
3. प्रस्तुत शोध को न्यादर्श के आकार को बढ़ा कर किया जा सकता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची–

1. कक्षा 12 की अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान।
2. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण (NCERT), नई दिल्ली, (2005)।
3. गुड कार्टर वी.: डिक्शनरी ऑफ एजुकेशन, मेग्रोहिल कम्पनी, न्यूयॉर्क, (1973)।
4. बेस्ट जॉन डब्ल्यू: रिसर्च एजुकेशन, दि प्रिन्टिस हॉल, प्रा. लि., नई दिल्ली, (1973)।
5. गैरेट ई. हेनरीः शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी के प्रयोग, कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली (2011)।
6. झिंगन, एम.एल.: समष्टि अर्थशास्त्र, वृंदा पब्लिकेशन प्रा. लि., दिल्ली (2011)।
7. कौल, लोकशः शैक्षिक अनुसंधान की कार्य प्रणाली, विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा.लि. नोएडा (2009)।
8. वर्मा, जी. एस.: भारत में शिक्षा प्रणाली का विकास, लॉयल बुक डिपो, मेरठ (2008)।
9. त्यागी गुरूसरनदासः अर्थशास्त्र शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा (2007)।
10. सक्सेना, डॉ. निर्मलः अर्थशास्त्र शिक्षण, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर (2006)।
11. सिंह, अरूण कुमारः मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ, मोतीलाल, बनारसी, पटना (2006)।

****